भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1866

16 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

रोगज़नक़ (पैथोजन) परीक्षण ढाँचे के माध्यम से एएमआर से निपटना

1866. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि आईसीएमआर देश के अस्पतालों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) से संबंधित संक्रमण का पता लगाने और निदान को मानकीकृत करने के उद्देश्य से एक नया प्राथमिकता-रोगज़नक़ (पैथोजन) परीक्षण ढांचा तैयार कर रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो इस ढाँचे को पूरे देश में लागू करने की समय-सीमा क्या है; और

(ग) इस पहल के लिए, विशेष रूप से सूक्ष्मजैविकी (माइक्रोबायोलॉजी) / निदान प्रयोगशाला कर्मियों के प्रशिक्षण तथा ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में प्रयोगशालाओं को सुसज्जित करने हेतु बजटीय आवंटन और मानव संसाधन को मजबूत करने की क्या योजना है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया है कि उसने भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) के भार का आकलन करने और कार्रवाई के लिए साक्ष्य तैयार करने हेतु वर्ष 2013 में रोगाणुरोधी प्रतिरोध निगरानी और अनुसंधान नेटवर्क (एएमआरएसएन) की स्थापना की थी। यह नेटवर्क व्यवस्थित तरीके से नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण बैक्टीरिया और कवक में प्रतिरोध प्रवृत्तियों को एकत्रित कर उनकी निगरानी करता है और वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करता है। समय के साथ, इन आंकड़ों ने अत्यधिक दवा प्रतिरोधी, कठिन-उपचार योग्य रोगजनकों (पैथोजन) के एक सबसेट की पहचान की है। प्रयोगशाला के साक्ष्यों और क्लिनिशियन, संक्रामक रोग विशेषज्ञों और क्लिनिशियन माइक्रोबायोलॉजिस्ट के विशेषज्ञ इनपुट के आधार पर, इन कठिन-उपचार योग्य दवा प्रतिरोधी पैथोजन को तीन समूह में वर्गीकृत किया गया- समूह I पैथोजन (कार्बापेनेम सहित लास्ट-रिज़ॉर्ट एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिरोधी) जिनके लिए सख्त कार्रवाई की ज़रूरत है, समूह II पैथोजन (मल्टी-ड्रग प्रतिरोधी) जिनके लिए लगातार कार्रवाई की ज़रूरत है, और समूह III पैथोजन (दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया जो सिर्फ़ कुछ ही संक्रमण के लिए ज़िम्मेदार हैं लेकिन भविष्य में उन पर ध्यान से नज़र रखने की ज़रूरत है)।

आईसीएमआर की एएमआर निगरानी कार्यकलापों को हाल ही में जिला और माध्यमिक स्तर के अस्पतालों में विस्तारित किया गया है। रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण और रिपोर्टिंग को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाओं सहित क्षमता निर्माण पहल भी की गई है।

इसके अलावा, आईसीएमआर ड्रग-रेसिस्टेंट साल्मोनेला एंटेरिका संक्रमण का पता लगाने के लिए इन-विट्रो डायग्नोस्टिक (आईवीडी) किट के विकास में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। इस पहल के अंतर्गत, इन निदानों के लिए डिजाइन, प्रदर्शन आवश्यकताओं और सत्यापन मानकों का मार्गदर्शन करने के लिए एक व्यापक टारगेट प्रोडक्ट प्रोफ़ाइल (टीपीपी) विकसित की गई है।

इसके अलावा, आईसीएमआर ने रोगज़नक़ (पैथोजन) की पहचान और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण के लिए स्वदेशी निदान के सत्यापन हेतु एक व्यापक मानक प्रोटोकॉल भी विकसित किया है ताकि डेवलपर्स को परीक्षण पर डेटा बनाने में मदद मिल सके जो त्वरित नियामक अनुमोदन में मदद मिल सके।

*****